चन्द्रगत भारती

जन्म स्थान- खुशहाल गंज अयोध्या
शिक्षा- इण्टरमीडिएट, आई.टी.आई
प्रकाशन- मेंहदी रचे हाथ (गीत संग्रह) सहित अनेक साझा संग्रहों एवं वेब पत्रिकाओं में रचनाएं प्रकाशित
सम्मान- विद्या सागर, विद्या वाचस्पति, (श्री मौनतीर्थ विद्या पीठ उज्जैन) सहित अनेक सम्मान एवं पुरस्कार
संप्रति- अवकाश प्राप्त अभियंता आई टी आई लिमिटेड मनकापुर गोंडा (उ.प्र.)

माँ पर कोई गीत लिखूंगा

सबसे सच्ची प्रीत लिखूंगा
माँ पर कोई गीत लिखूंगा ।।

वही प्रार्थना वही वन्दना
वही नमन है ध्यान वही है
सृजन वही है वही साधना
वही ज्ञान विज्ञान वही है
सर्वोपरि वह सकल सृष्टि में
उसको परम पुनीत लिखूंगा ।।

आस वही विश्वास वही है
प्रकृति वही है वह देवी है
वही भक्ति है वही प्रेम है
वही जगत की कुलदेवी है
रज चरणों की लगा माथ पर
उसकी पावन रीत लिखूंगा ।।

शब्द वही है वही व्यंजना
शिल्प वही है भाव वही है
प्राण वही है वही रूप है
अर्थ वही समभाव वही है
झरनों नदियों की कल कल वह
उसको मैं संगीत लिखूंगा ।।

ढाई आखर के उलझन में

इधर उधर बेचैन घूमता
गीत प्रेम के गाता है
ढाई आखर के उलझन में
पागल मन घबराता है ।।

आस मिलन की उससे करता
पर कोई उम्मीद नही
जिधर देखता हूः छवि उसकी
दूर तलक है नींद नही
पल पल उसकी यादों का बस
झोंका आता जाता है ।।

भावों में विह्वल हो जाता
धड़कन ये बढ़ जाती है
हृदय चूमता उसकी छवि को
वो मुझको तड़पाती है
उसमें ही दिल खोया रहकर
दिल को ही समझाता है ।।

बैठी दोनों भोली आँखे
रात रात भर रोती हैं
घात लगा जिसमें पीड़ायें
अपना आँचल धोती हैं
जाने किस दुनिया से चल कर
आँसू राह बनाता है ।।

ISSN:2583-8849